(a) whether the Ministry of External Affairs asked the Indian Institute of Foreign Trade to prepare a training programme for Indian Foreign Service Officers who are selected for posting as Commercial Attaches abroad; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI M. C. CHAGLA): (a) Yes, Sir.

(to) The programme includes basic lectures on various aspects of foreign trade. It is designed to equip officers with practical knowledge of import and export trade and to orient them in the problems of international marketing through case studies, seminars and project work on topics like the handling of trade enquiries, trade exhibitions, etc.

STATUTORY RECRUITMENT RULES FOR THE OFFICE OF D.G.O.F.

493. SHRI M. VERO: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether there are any statutory recruitment rules framed for the ministerial category of employees including stenographers in D.G.O.F.'s office; ana

(b) if not on what basis the recruitment, promotion, confirmation etc. are effected in the grades of L.D.C., U.D.C., Assistant, Stenographer. Superintendent, etc., in that office?

THE MINISTER OF DEFENCE (SARDAR SWARAN SINGH): (a) and (to) Statutory recruitment rules regulating the recruitment of Stenographers Grade II and L.D.Cs, at D.G.O.F's Headquarters, haye been framed.

Vacancies in the grades of Superintendent, Stenographer Grade I, Assistant and U.D.C. are filled by promotion. Vacancies in the grades of Stenographers Grade II and LD.C. are filled by direct recuritment through U.P.S.C.

Confirmation in the grades of L.D.C., U.D.C, Assistant, Stenographer and Superintendent are effected on the basis of seniority in the respective grades subject to fitness.

494. *[Transferred to the* 19th *June,* 1967].

495. *[Transferred to the* 16th *June,* 1967].

निर्माताओं को प्रोत्साहन

496. **श्री कृष्ण दत्त पालीवाल** : क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारतीय भाषाओं के छोटे समाचार-पत्रों को प्रोत्साहन देने के लिये (1) अखबारी कागज, (2) छपाई की मशीनों तथा तत्संबंधी सामग्री, और (3) हिन्दी टेलीप्रिन्टरों के निर्माताओं को प्रोत्साहन देने के लिये कोई कदम उठाये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

INCENTIVES TO THE MANUFACTURERS

496. SHRI S. K. D. PALIWAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have taken any steps to give incentives to the manufacturers of (i) newsprint, (ii) printing presses and allied material, (iii) Hindi Teleprinters in order to encourage the email newspapers in the Indian languages; and

(b) if so, what are the details thereof?]

t [ ] English translation.

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (ख) "अखबारी कागज" उद्योग उन 59 अग्रता प्राप्त उद्योगों की सूची में शामिल है जिन्हें पुर्जे, अनुरक्षण सामान, आदि आयात करने के लिए प्राथमिकता दी जाती है। छोटे समाचार-पत्रों के इस्तेमाल के लिए छपाई की छोटी मशीनें भारत में नहीं बन रही हैं। छपाई उद्योग 'ऋण' सुविधाओं के लिए इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स कारपोरेशन और इण्डस्ट्रीज क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन आफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त है।

हिन्दी टेलीप्रिंटरों के बनाने का काम हिन्दुस्तान टेलीप्रिंटर्स लि०, मद्रास द्वारा इटेलियन सप्लायर्स क्रेडिट की सहायता से शुरू किया जाएगा। भारत सरकार ने ओजारों पर होने वाले और इटली के मैसर्स ओलिवती (टेलीप्रिंटर परियोजना में सहयोगी) से तकनीकी जानकारी प्राप्त करने पर होने वाले व्यय को वहन करना स्वीकार कर लिया है।

†[THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH): (a) and (b) The 'newsprint' industry is included in the list of 59 priority industries which are allotted priority for the import of spares, maintenance, stores etc. Small printing machines for the use of small newspapers are now being manufactured in India. The printing industry is recognised for the purpose of 'loan' facilities by the Industrial Finance Corporation and the Industries Credit and Investment Corporation of India.

The manufacture of Hindi teleprinters will be started by the Hindustan Teleprinters Ltd., Madras with the help of Italian Supplier's Credit and the Government of India have agreed to cover the cost of tooling and know-how from M/s. Olivetti of Italy (collaborators in the teleprinters project).]

छोटे समाचारपत्रों को सहायता

497. **श्री श्रीकृष्ण दत्त पालीवाल** : क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय भाषाओं के छोटे समाचार-पत्रों को (1) ऋण की सुविधाएं (2) सीमा शुल्क से छूट, (3) सरकारी विज्ञापनों आदि के रूप में सहायता प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाये गये हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

ASSISTANCE TO SMALL NEWSPAPERS

497. SHRI S. K. D. PALIWAL: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether any steps have been taken by Government for giving assistance to the small newspapers in Indian languages in the form of (i) credit facilities, (ii) exemption from customs, (iii) Government advertisements etc.; and

(b) if so, what are the details thereof?] til

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) और (ख) विज्ञापन देने के मामले में, छोटे और मंझोले, विशेषकर प्रादेशिक भाषाओं के समाचार-पत्रों को अधिकतम संभव सहायता देने के लिए सरकार लगातार प्रयत्न कर रही है। 1966-67 के साल में 1,134 छोटे और मंझोले समाचार पत्रों को लगभग 14.16 लाख रुपए के विज्ञापन प्राप्त हुए, जो सजावटी विज्ञापनों पर हुए कुल खर्च का 51.3 प्रतिशत था।

जहां तक वर्गीकृत विज्ञापनों का सम्बन्ध है, छोटे और मंझोले समाचार-पत्रों को ये लगभग 16 लाख रुपए के प्राप्त हुए, जो कुल खर्च का 32 प्रतिशत था। इनके लिए जो जगह

†[ ] English translation.